हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

13 मतदाताओं के नाम काटने की साजिश कांग्रेस ने...

14 राजिम मेला, दिन में आस्था का संगम, रात ढलते ही...

खबर संक्षेप

नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर बिजली ऑफीस के पास विशाल शिवमंदिर का निर्माण किया गया है। इस शिवमंदिर में प्राणप्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाना है। 13 फरवरी शुक्रवार को दोपहर 2 बजे भव्य कलशयात्र, 14 फरवरी शनिवार को शिवलिंग प्राणप्रतिष्ठा एवं 15 फरवरी महाशिवरात्रि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। नवनिर्मित शिवमंदिर में प्राणप्रतिष्ठा समारोह को लेकर जोरशोर से तैयारी किया जा रहा है और इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीमति रूपकुमारी चौधरी एवं बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव तथा जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियो को भी आमंत्रित किया गया है।

इंटरनेशनल बॉक्सिंग में यर्थाथ को मिला सोना

अभनपुर। नई दिल्ली में आयोजित 5वीं इंटरनेशनल किक बॉक्सिंग कप 2026 प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के होनहार खिलाड़ी यथार्थ द्विवेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। यथार्थ द्विवेदी ने न्यू रायपुर सेक्टर-27 स्थित एमबी एकेडमी में कोच मनीष बाघ सर, आर्यन सिंह एवं वरुण बाघ से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। कठोर परिश्रम और अनुशासित अभ्यास के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।कोच मनीष बाघ ने बताया कि यथार्थ शुरू से ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी रहे हैं और उनकी लगन व मेहनत का परिणाम आज पूरे देश के सामने है। इस सफलता पर खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उरमाल में पिकअप वाहन जलकर खाक

मैनपुर। क्षेत्र के उरमाल से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है घर के सामने खड़े पिकअप वाहन में आग लग गई आग कैसे लगी इसके बारे कोई जानकारी नहीं है लेकिन आग लगने से अफरा तफरी मच गया और लोग पानी डालकर बुझाते रहे लेकिन काफी देर हो गया और वाहन जलकर खाक हो गया।

फुलझर में त्रिदिवसीय मानस गान सम्मेलन का शुभारंभ आज

छुईहा बेलर। ग्राम फुलझर (बोड़की) में 13 फरवरी से तीन दिवसीय मानस गान सम्मेलन का पावन शुभारंभ शुक्रवार को होगा। ग्रामवासियों के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में 13 से 15 फरवरी तक श्रीरामचरितमानस का गुणगान पूरे भक्तिभाव से किया जाएगा। इस अवसर पर दानेश्वर नाथ शिव मंदिर में विशेष हवन-पूजा का कार्यक्रम भी रखा गया है, जिसकी शुरुआत शुक्रवार सुबह 10 बजे हुई। तीन दिनों तक चलने वाले इस पावन आयोजन में विभिन्न ▶▶|शेष पेज 12 पर

बर्फीली चोटियों पर गूंजा राजिम कुंभ का नाम, जिले के खेमराज ने फहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम/ गरियाबंद

पर्वतारोहण और ट्रैकिंग के क्षेत्र में सक्रिय ग्राम पोंड़ जिला गरियाबंद के युवा खेमराज साहू ने हिमाचल प्रदेश की बर्फीली वादियों में राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रचार-प्रसार कर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कुल्लू जिले की सोलंग वैली से पतालसू पीक ट्रैक के दौरान लगभग 9000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 6 डिग्री तापमान में तिरंगा एवं छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का संदेश दिया। बता दे कि पर्वतारोहण ट्रैकिंग के क्षेत्र में कार्यरत पोंड़ के युवा खेमराज साहू हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित सोलंग वैली गांव से पतालसू पीक ट्रैक करने के लिए निकले थे जिसकी ऊंचाई लगभग 13900 फीट है परंतु 03 फरवरी 2026 को अत्यधिक बर्फबारी होने से पतालसू पीक तक पहुंच पाना मुश्किल था और कुल्लू जिला प्रशासन व हिमाचल प्रशासन द्वारा मौसम को देखते हुए उंचाई पर ट्रैक में जाने के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था, चूंकि जिस रास्ते से ट्रैक करके पहाड़ी चढ़ना था, वहां पर लगभग 8 से 10 फीट तक बर्फ जमा हुआ था।

हिमाचल में किया मेले का प्रचार

8-10 फीट बर्फ और सीने तक धंसते पैर, फिर भी नहीं डिगा हौसला

खेमराज व उनके साथियों ने एडवेंचर वैली के प्रशिक्षु माउंटेनियर के मार्गदर्शन में यह ट्रैक करने की कोशिश की, जिसमें सोलंग वैली गांव से होकर शगाडुग के जंगलों में ट्रैक करते हुए सीने तक की जमी बर्फ को हटाकर, धसते पैर से रास्ता बनाकर ट्रैक किया। मौसम के अनुकूलता को देखते हुए लगभग 9000 फीट की ऊंचाई -6 डिग्री पर खेमराज ने राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का तस्वीर के साथ प्रमोशन करते हुए, छत्तीसगढ़ महतारी की छायाप्रति व तिरंगा लहराते हुए यह सफल आरोहण किया। इसके पहले भी खेमराज साहू 2023 में केदारकंठा चोटी (12500 फीट) उत्तराखंड में गरियाबंद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ गरियाबंद जिले के विभिन्न दर्शनीय स्थल को प्रमोट कर चुके हैं, जिसके लिए खेमराज साहू का नाम वर्ल्ड वाइड बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज है, इसके साथ ही रायपुर से गरियाबंद तक एक दिवसीय सायकल यात्रा करते हुए वर्ष 2023 में मेले को भी प्रमोट कर चुके हैं। यह आरोहण में खेमराज के साथ छत्तीसगढ़ से ट्रैकर नितेश अग्रवाल, राजनांदगांव व ओड़िशा के एक्सपीडिशन एडवेंचर ट्रैकर प्रवासिनी व उनके अन्य साथी शामिल रहे।

आश्रम कांड : कांग्रेस की जांच में चौंकाने वाले खुलासे, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

66 बिस्तर पर 115 छात्र, जर्जर भवन और दूषित पानी ने ली मासूम की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड के शासकीय आदिवासी बालक आश्रम में समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण और आश्रम प्रबंधन की लापरवाही के चलते कक्षा सातवीं के एक आदिवासी छात्र की मौत हो गई इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। अभी तक आश्रम अधीक्षक व संबंधित अधिकारियो पर कोई कार्यवाही नहीं किया गया है जिसके कारण दो दिन पूर्व आदिवासी समाज द्वारा भी रैली निकाल कर ज्ञापन सौपा गया है और चक्काजाम की चेतावनी दिया गया है। इस मामले में गरियाबंद जिला कांग्रेस की एक जॉच टीम ने आश्रम का निरीक्षण कर अपना रिपोर्ट गुरुवार को कलेक्टर को सौपा है। जिसमें छात्रवास में 66 बिस्तर में 115 छात्रों को प्रवेश देने के साथ ही कई गंभीर आरोप लगाते हुए आश्रम अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग किया है।

मैनपुर विकासखण्ड के आदिवासी बालक आश्रम बड़ेगोबरा में अध्ययनरत छात्र की आश्रम प्रबंधन की लापरवाही से दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। इस गंभीर घटना को संज्ञान में लेते हुए जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद द्वारा गठित जांच कमेटी ने स्थल निरीक्षण कर जो तथ्य सामने लाए हैं, वे अत्यंत चिंताजनक और शासन-प्रशासन की घोर लापरवाही को उजागर करने वाले हैं। जांच में स्पष्ट हुआ कि आश्रम में बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं है। करोड़ों रुपए के बजट के बावजूद न तो आरओ मशीन की व्यवस्था है और न ही पर्याप्त जल शुद्धिकरण सुविधा। भवन जर्जर अवस्था में है, बरसात में छत से पानी टपकता है। बच्चों को दिए जाने वाले चादर, कंबल एवं गद्दे निम्न स्तर के पाए गए। स्वास्थ्य व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण नहीं हो रहा है। चिरायु दल की रिपोर्ट में लगातार खुजली एवं दूषित पानी की समस्या का उल्लेख होने के बावजूद सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए। इस पूरे मामले में जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद के अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आदिवासी विकास के नाम पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, ▶▶|शेष पेज 12 पर

दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए

आश्रम में पदस्थ अधीक्षक की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। नियमानुसार 24 घंटे की जिम्मेदारी होने के बावजूद उनकी उपस्थिति सीमित समय तक ही रही। जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में आज जांच प्रतिवेदन सहित अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया और मांग की गई कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा आश्रम की सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त की जाएं। ज्ञापन सौंपने वालों में संजय नेताम (जिला पंचायत सदस्य), रामकृष्ण ध्रुव (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैनपुर), गेंदू यादव (महामंत्री, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैनपुर) एवं छगन यादव (वरिष्ठ पार्षद, नगर पालिका गरियाबंद) शामिल थे। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया है कि आदिवासी विद्यार्थियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए यह लड़ाई अंतिम निर्णय तक जारी रहेगी।

आदिवासी बच्चे की मौत पर कांग्रेस की जिला स्तरीय जॉच टीम पहुंची आश्रम

पंचायतों में धीमी प्रगति पर सख्ती, 100 सचिवों का जनवरी वेतन रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/ मैनपुर

जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित शासकीय योजनाओं की धीमी प्रगति पर जिला पंचायत ने सख्त कदम उठाया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले 100 ग्राम पंचायत सचिवों का जनवरी 2026 का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना, समर्थ पोर्टल, ग्राम संपदा, 15वें वित्त आयोग सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही थी। इस दौरान ग्राम पंचायतों का निरीक्षण तथा जनपद पंचायत स्तर पर सचिवों की नियमित समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए थे। बताया गया है कि बार-बार चेतावनी और निर्देश के बावजूद कई ग्राम पंचायतों में योजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई। इसके चलते जनपद पंचायत मैनपुर के 57 ग्राम पंचायत सचिवों और जनपद पंचायत देवभोग के सभी 43 ग्राम पंचायत सचिवों का माह जनवरी 2026 का वेतन रोक दिया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं के कार्यों में गति लाने और प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने सभी सचिवों को शासन की योजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने और समयसीमा का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

■ मैनपुर के 57 और देवभोग के 43 सचिवों पर कार्रवाई

जंगली सुअर का शिकार करने वाले तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के भीतर भरमार बंदूक से जंगली सुअर का अवैध शिकार करने वाले ओडिशा के तीन फरार आरोपियों को वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण के मुख्य आरोपी गुप्ताराम व. फरसराम, जाति गोंड़ उम्र 42 वर्ष, ग्राम टांगापानी एवं भादुराम पिता बीकोराम, जाति गोंड़, उम्र 40 वर्ष, ग्राम गाजीमुड़ा, राजमन पिता कन्हैया, जाति रावत, उम्र 30 वर्ष, ग्राम टांगापानी, के कथन में जंगली सुअर के अवैध शिकार मे 02 नग भरमार बंदुक का उपयोग किया गया था। गुप्ताराम के पास से दिनांक 20 जनवरी को 01 नग भरमार बंदुक जप्त किया गया है। चैनुराम व. बासनी, जाति गोंड, उम्र 50 वर्ष, ग्राम मेटपारा, उड़ीसा के घर एवं बाड़ी का वन परिक्षेत्र रायघर (ओडिशा) एवं उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के वन अमलों के द्वारा सर्व वारंट जारी कर विधिवत तलाशी लिया गया। तलाशी में 01 नग भरमार बंदुक पाया गया। जिसे वन परिक्षेत्र रायघर के वन अमलों के द्वारा जप्ती किया गया। जप्ती उपरांत जप्त किये गये 01 नग भरमार बंदुक को वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उदंती के सुपूर्द में दिया गया।

11 लाख का आंबा भवन एक साल से नींव में अटका, कमार जनजाति के बच्चे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

केंद्र सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास और उन्हें मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। योजना का मकसद कमार-भुंजिया जैसे दूरस्थ और वंचित समुदायों तक सड़क, शिक्षा, पोषण और अन्य बुनियादी सेवाएं पहुंचाना है। लेकिन धरातल पर योजनाओं की रफ्तार को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

कमार बाहुल्य ग्राम कोकड़ा छेड़ा में इसी योजना के अंतर्गत करीब 11 लाख रुपए की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण की स्वीकृति मिली थी। स्वीकृति को लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। मौके पर सिर्फ नींव की खुदाई किए जाने की जानकारी सामने आई है, जिसके बाद काम आगे नहीं बढ़ा। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के लिए बनने वाला भवन अधूरा पड़े रहने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में वर्तमान में 9 से 10 छोटे बच्चे आंगनबाड़ी से जुड़े हैं, जो सभी कमार जनजाति से हैं। पक्के भवन के अभाव में उन्हें स्कूल के अतिरिक्त कमरों में आंगनबाड़ी संचालित कर किसी तरह सुविधा दी जा रही है। बच्चों को पोषण आहार, प्रारंभिक ▶▶|शेष पेज 12 पर

जिले राजस्व विभाग की डिजिटल पहल

अब व्हाट्सएप पर मिलेगा खसरा और बी-1, दफ्तरों के चक्करों से मिलेगी मुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

प्रदेश के साथ-साथ जिले में राजस्व विभाग ने भूमि से संबंधित जानकारी को आम नागरिकों तक सरल और त्वरित रूप से पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधा शुरू की है। अब जिले के नागरिक व्हाट्सऐप चौटबोट के माध्यम से अपने मोबाइल पर ही बी-1, खसरा विवरण और भूमि रिकॉर्ड से संबंधित अन्य जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा डिजिटल शासन को बढ़ावा देने और राजस्व सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह चौटबोट पूरी तरह उपयोगकर्ता-मैत्रीपूर्ण है। नागरिकों को सिर्फ निर्धारित व्हाट्सऐप नंबर पर हाय या भूमि जानकारी लिखकर भेजना होगा। इसके बाद चौटबोट स्वयं चरणबद्ध तरीके से जानकारी लेने की प्रक्रिया बताएगा। उपयोगकर्ता खसरा नंबर, नाम या अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करते ही कुछ ही सेकंड में संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं।

किसानों और ग्रामीणों को होगा बड़ा लाभ

इस सुविधा के शुरू होने से जनसामान्य को अब राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने, पटवारी हल्के में बार-बार संपर्क करने या दस्तावेजों के लिए लंबा इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी। विशेषकर किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए यह पहल अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाली है। अब वे किसी भी समय, कहीं से भी अपने मोबाइल फोन पर भूमि रिकॉर्ड देख सकेंगे। अधिकारीयों के अनुसार जल्द ही इस चौटबोट में नामांतरण की स्थिति, राजस्व भुगतान, भू-सीमा जानकारी जैसी अन्य सेवाएं भी जोड़ी जाएंगी, जिससे लोगों को राजस्व संबंधी अधिकांश सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हो सकेंगी। राजस्व विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और अपनी भूमि से संबंधित जानकारी तेज, सरल और सुरक्षित तरीके से प्राप्त करें। इन सेवाओं के उपयोग करने के लिए नागरिक 72890-56060 नंबर को अपने मोबाईल में सेव कर वाट्सअप पर संदेश भेज सकते है। चैटबोट तुरंत आवश्यक जानकारी और सेवाए उपलब्ध कराएगा।

राजिम कुंभ में आज से विद्यार्थी और श्रद्धालु कर सकेंगे ग्रहों नक्षत्रों का दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम/गरियाबंद

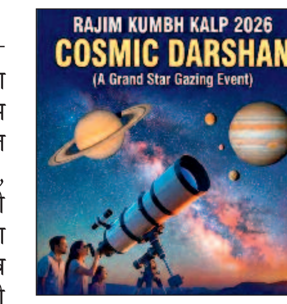

छत्तीसगढ़ के धर्मनगरी प्रयाग राजिम में चल रहे राजिम कुंभ कल्प- 2026 वर्ष केवल आध्यात्मिकता का ही केंद्र नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चेतना का भी साक्षी बनेगा। स्कूल शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा एवं अटल टिंकरिंग लैब कौन्दकेरा गरियाबंद की अनूठी पहल पर आगामी 13 एवं 14 फरवरी की शाम 6:30 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक विभागीय प्रदर्शनी स्टाल के समीप नवीन मेला परिसर क्षेत्र राजिम मेले में 'कॉस्मिक दर्शन' (आकाशीय दर्शन) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर युवाओं और स्कूल व कॉलेज के छात्र-छात्राओं के भीतर आकाशीय ग्रहों, नक्षत्रों के प्रति रुचि जागृत कर खगोलीय विज्ञान के प्रति प्रेरित करना है आयोजन के अंतर्गत विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं मेले में आने वाले आमजन टेलीस्कोप के माध्यम से शनि के छल्ले बृहस्पति और उसके चंद्रमाओं के साथ-साथ आकाशगंगा ▶▶|शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

छुरा के मानस मंदिर में 73 वर्षों से जारी है मानस यज्ञ

छुरा। नगर के प्रसिद्ध मानस मंदिर में विगत 73 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे मानस यज्ञ पारायण में इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। प्रातःकालीन समय में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर एवं पवित्र स्थल की परिक्रमा करने पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है। मानस यज्ञ पारायण के दौरान रामचरितमानस के पाठ, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं तथा परिक्रमा कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यह परंपरा पिछले 73 वर्षों से निरंतर चली आ रही है और क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। धार्मिक आयोजन के चलते नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। मानस मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और अनुशासन का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इस पुण्य कार्य में समिति के अध्यक्ष ओंकार शाह, सचिव बजरंग पाण्डेय, धनंजय शुक्ला, ओमप्रकाश द्विवेदी,अशोक दीक्षित, बरन के रूप में हरीश शर्मा, संतोष मेहता, एकलव्य शर्मा, अखिल पाण्डेय, मेषनंदन पाण्डेय, जो वेदी में बैठकर आहुति प्रदान करते हैं, साथ ही पाठकगण के रूप में शिवदयाल दीवान,किशन साहू,पतिराम विश्वकर्मा,खम्मन साहू, तिलक तारक, टंकेश्वर देवांगन, रमेश ध्रुव, सरस तिवारी, भारती, बिसेसर कंवर, शिवराम, ईश्वर सिन्हा, शीतल ध्रुव, लिखन कंवर एवं टोली उपाचार्य यज्ञेश महराज के द्वारा उच्चारित श्रीरामचरित मानस के श्लोकों की आहुति दिलवाते है।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने सेजेस का निरीक्षण किया

अभनपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पीसीसी सचिव प्रवीण साहू के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पीएमश्री सेजेस अभनपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल में फंड के अभाव में मूलभूत सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की कमी, साफ-सफाई, मरम्मत कार्य, खेल मैदान, शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं की बदहाली का मुद्दा उठाया गया। स्कूल प्रबंधन के अनुसार विद्यालय में 1163 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बाउंड्रीवाल नहीं होने से असामाजिक गतिविधियों और चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं तथा कई महीनों से बिजली बिल भी बकाया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्व में स्कूलों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये दिए जाते थे, जबकि वर्तमान में केवल 1 लाख रुपये दिए जा रहे हैं, जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने शासन व शिक्षा विभाग से स्कूल में सुरक्षित, अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक संसाधन शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विद्याभूषण सोनवानी, पालिका उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, पार्षद रानू राठी, सृजन शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्व : प्रशासन के लिए अग्निपरीक्षा बनेगी 15 फरवरी की रात

महाशिवरात्रि पर उमड़ेगा 5 लाख श्रद्धालुओं का रेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

15 दिवसीय राजिम कुंभ अपने चरम की ओर बढ़ रहा है। महाशिवरात्रि से एक दिन पूर्व ही मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं का रेला देखने को मिल जाएगा। अनुमान है कि महाशिवरात्रि महापर्व के दिन 15 फरवरी को पाँच लाख से अधिक श्रद्धालु राजिम पहुंच सकते हैं। छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पड़ोसी जिलों और राज्यों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचने वाले हैं। ऐसे में यह पर्व आस्था का महासंगम तो बनेगा ही, साथ ही पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी अग्निपरीक्षा भी साबित होगा। श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर, श्री कुलेश्वरनाथ महादेव, संगम तट और मेला मैदान-हर स्थान पर भीड़ का दबाव असाधारण रहने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। यदि थोड़ी भी लापरवाही हुई तो भगदड़, विवाद या असामाजिक तत्वों की हरकतें बड़े हादसे का रूप ले सकती हैं। पिछले दिनों मेला क्षेत्र में अव्यवस्थाओं और शराबबंदी के बावजूद नशे में घूमते लोगों की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भीड़ का फायदा उठाकर गुंडे-मवाली जेबतराशी, छेड़छाड़, मारपीट या अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। खासकर रात के समय सुरक्षा और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। श्रद्धालुओं, साधु-संतों और परिवारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या को देखते हुए अतिरिक्त महिला पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की सक्रिय निगरानी, ड्रोन कैमरे, कंट्रोल रूम और त्वरित प्रतिक्रिया दल की मौजूदगी अनिवार्य मानी जा रही है। संगम तट पर गोताखोरों और जल पुलिस की सतर्कता भी जरूरी है। यातायात व्यवस्था भी बड़ी कसौटी होगी। शहर में प्रवेश और निकास मार्गों पर बैरिकेटिंग के साथ स्पष्ट रूट डायवर्सन योजना लागू करनी होगी। पार्किंग स्थलों से मंदिर तक पैदल मार्गों को सुरक्षित और सुगम बनाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और आपातकालीन सेवाओं को भी हाई अलर्ट पर रखा जाना चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आस्था के इस महासमागम को सफल बनाने के लिए केवल कागजी तैयारी नहीं, बल्कि जमीनी सख्ती और सतत निगरानी जरूरी है। महाशिवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर यदि व्यवस्था चाक-चौबंद रही तो राजिम कुंभ की गरिमा व प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। लेकिन यदि कहीं चूक हुई तो उसकी गूंज दूर तक जाएगी। अब सबकी निगाहें पुलिस-प्रशासन की तैयारी पर टिकी हैं। महाशिवरात्रि की यह रात आस्था, अनुशासन और प्रशासनिक क्षमता-तीनों की कसौटी बनेगी।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में तैयारियां शुरू, सज रहा बाबा का भव्य दरबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

क्षेत्र में महाशिवरात्रि की तैयारी जोरों पर है। अंचल के विभिन्न शिव मंदिरों की साफ-सफाई और रंग रोगन का कार्य अंतिम चरण में है। श्रद्धालुओं में उत्साह है, और सभी आवश्यक तैयारी महाशिवरात्रि से पहले पूरी की जाएगी। महाराज देवेंद्र शास्त्री ने बताया कि फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि मनाते हैं। इस साल चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी की शाम को मिल रही है, इसलिए महाशिवरात्रि का व्रत 15 फरवरी को रखा जाएगा। 16 फरवरी को आधे दिन चतुर्दशी तिथि मिलेगी, इसलिए इस दिन व्रत नहीं रखा जाएगा। भगवान शिव की अधिकतर पूजा प्रदोष काल में यानी सुबह और शाम के मिलते वक्त होती है। इसलिए महाशिवरात्रि की पूजा प्रदोष काल में करनी चाहिए। वहीं दूसरी तरफ पुजा को लेकर श्रद्धालु शिव मंदिरों में अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं। अंचल के सभी शिवालयों में शिवरात्रि को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रहा है, शिव मंदिरों में रंग रोगन और उन्हें आकर्षक रूप से सजाया संवारा जा रहा है विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान शिव की बारात की भी तैयारी अभी से जोरों पर है, साथ ही भगवान शिव और मां पार्वती की शादी रचाई जायेगी। क्षेत्र के सभी शिव मंदिर टंकेश्वर नाथ, थानेश्वर नाथ, प्रज्ञेश्वर नाथ,योगेश्वर नाथ,वटेश्वर नाथ, कुंडेश्वर नाथ सहित सभी मंदिरों को दुल्हन की तरह चमचमाती रोशनी बिखरती बल्ब व लड़ियों से सजाया जा रहा है जो काफी सुंदर दिखाई पड़ेगा। कहीं कहीं महा भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। विभिन्न मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर रात्रि जागरण का भी आयोजन होगा। श्रद्धालु अपने आराध्य भोले भंडारी की विशेष आराधना के लिए साल भर इस दिन का इंतजार करते हैं।

महाशिवरात्रि पर अरुण गोविल का आगमन, भक्ति व मर्यादा के संगम से महकेगा त्रिवेणी तट

राजिम। पंद्रह दिवसीय राजिम कुंभ कल्प मेला अब अपने शिखर की ओर बढ़ रहा है। महाशिवरात्रि से ठीक दो दिन पहले मेला क्षेत्र में आस्था और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में मुख्य मंच पर रामायण के राम के रूप में घर-घर में पूजे जाने वाले अभिनेता अरुण गोविल के आगमन की खबर ने श्रद्धालुओं और स्थानीय जनता में नई ऊर्जा भर दी है। उनके आगमन को लेकर बेसब्री चरम पर है। बीते बारह दिनों में मेले के मंच पर धार्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भजन संध्या और काव्य पाठ के कार्यक्रम आयोजित हुए। श्रद्धालुओं ने इन कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया, हालांकि भीड़ का उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला। अब महाशिवरात्रि जैसे महापर्व के अवसर पर अरुण गोविल की उपस्थिति को आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाकर जनमानस में अमिट छाप छोड़ने वाले अरुण गोविल आज भी करोड़ों लोगों के लिए श्रद्धा और मर्यादा के प्रतीक हैं। उनके मंच पर आगमन और संबोधन को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार वे मुख्य मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे और आध्यात्मिक संदेश देंगे। मेला परिसर में मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा इंतजाम पर्याप्त रूप में है। प्रशासन भी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेटिंग और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में पहले से ही जुटा हुआ है। अनुमान है कि महाशिवरात्रि के दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन के साथ-साथ अरुण गोविल की एक झलक पाने के लिए भी उमड़ेंगे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अरुण गोविल केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवंत प्रतीक बन चुके हैं। ऐसे में उनका राजिम आगमन धार्मिक और

■ महाशिवरात्रि पर 15 को राजिम पहुंच रहे सीरियल के राम अरुण गोविल

सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। महाशिवरात्रि की पावन बेला में जब एक ओर शिवभक्त जलाभिषेक और पूजा-अर्चना में लीन होंगे, वहीं दूसरी ओर मुख्य मंच पर रामायण के राम का सान्निध्य इस मेले को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करेगा। अब सबकी निगाहें उस क्षण पर टिकी हैं जब मंच पर अरुण गोविल का आगमन होगा और राजिम की धरती जय श्रीराम और हर-हर महादेव के उदघोष से गूंज उठेगी।

रामायण के राम अरूण गोविल का यह डायलॉग-धर्म की स्थापना के लिए कभी-कभी कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। मालूम हो कि टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाकर अरुण गोविल ने भारतीय जनमानस में जो स्थान बनाया, वह आज भी अडिग है। उनके संवाद आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। उनका डायलॉग धर्म की स्थापना के लिए कभी-कभी कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं और एक अन्य लोकप्रिय संवाद- मर्यादा ही मनुष्य को महान बनाती है। इन संवादों ने न केवल धारावाहिक को अमर बना दिया, बल्कि राम के आदर्शों को घर-घर तक पहुंचाया। ऐसे में जब वे राजिम की पावन धरती पर उपस्थित होंगे, तो निश्चित ही उनके शब्द श्रद्धालुओं के हृदय में नई प्रेरणा जगाएंगे। अरुण गोविल मुख्य मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे और सनातन संस्कृति, मर्यादा एवं आध्यात्मिक मूल्यों पर अपने विचार रखेंगे। प्रशासन भी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग और यातायात नियंत्रण की विशेष तैयारी कर रहा है। अनुमान है कि महाशिवरात्रि के दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन के साथ-साथ अरुण गोविल की एक झलक पाने के लिए भी उमड़ेंगे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का संगम होगा। जब शिवभक्त हर-हर महादेव का उदघोष करेंगे और मंच से राम के आदर्शों की गूंज उठेगी, तब राजिम की धरती आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठेगी। अब सबकी निगाहें उस ऐतिहासिक क्षण पर टिकी हैं, जब रामायण के राम अरुण गोविल मंच पर कदम रखेंगे और राजिम कुंभ का यह महापर्व भक्ति और मर्यादा के नए आयाम छूएगा।

कलेक्टर ने एसडीएम व तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

कलेक्टर बीएस उइके एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय, गरियाबंद का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम कार्यालय में चल रहे कार्यों, लंबित प्रकरणों और ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी ली।

■ राजस्व प्रकरणों को निर्धारित समय पर निराकरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर श्री उइके ने सबसे पहले ई-कोर्ट से जुड़े प्रकरणों के ऑनलाइन पंजीयन की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयीन प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर सिस्टम में अद्यतन किया जाए, ताकि पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण के पंजीयन में देरी या अपूर्ण प्रविष्टि को गंभीरता से लिया जाएगा। इसके बाद कलेक्टर ने भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में अनावश्यक विलंब जनहित के कार्यों को प्रभावित करता है, इसलिए इनका त्वरित निराकरण करें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं सीईओ ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) के आवेदनों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी आरटीआई आवेदनों का उत्तर निर्धारित अवधि में दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने अभिलेख, पासबुक, स्थायी जाति प्रमाण-पत्र, निवास, आय प्रमाण-पत्र एवं अन्य राजस्व सेवाओं की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। श्री उइके ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रमाण-पत्र आवेदकों को समय पर उपलब्ध कराए जाएं और किसी भी प्रकार की देरी न हो।

आवेदनों का करें त्वरित निराकरण- निरीक्षण के दौरान समय-सीमा में प्राप्त आवेदनों, शिकायत निवारण, दाण्डिक प्रकरण, पंचायत संबंधित मामलों तथा डायवर्जन प्रकरणों की अलग-अलग फाइलों की भी जांच की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की शिकायतों और आवेदनों को गंभीरता से लेकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा कर अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अंत में कलेक्टर एवं सीईओ ने कार्यालय की सफाई व्यवस्था, फाइल प्रबंधन, रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यालय में स्वच्छ वातावरण, सुव्यवस्थित फाइलिंग और डिजिटल रिकॉर्ड में नियमित अपडेट करें। कलेक्टर श्री उइके ने निर्माणाधीन तहसील कार्यालय को बरसात के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पूर्व कलेक्टर ने निर्माणाधीन सखी एवं वन स्टॉप सेंटर, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण भवन का निरीक्षण कर समय अवधि पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर और सीईओ प्रखर ने स्कूल का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

कलेक्टर बी.एस. उइके और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने शासकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय, गरियाबंद का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षण गुणवत्ता, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा आगामी वार्षिक परीक्षा की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने शिक्षकों के साथ बैठक कर शैक्षणिक सत्र की प्रगति, अध्यापन पद्धति और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता पर चर्चा की। वार्षिक परीक्षा को देखते हुए कक्षा-वार पुनरावृत्ति, नियमित अभ्यास परीक्षा और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। सीखने के परिणामों के आधार पर प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति की निगरानी करने तथा अभिभावकों को समय-समय पर जानकारी देने पर जोर दिया गया। साथ ही विद्यालय में अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए पालक बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं - सभी विद्यार्थियों के अपार आईडी और आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से जुड़े प्रश्न पूछे और उनकी समझ का आकलन किया। शिक्षकों को रोचक और सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धति अपनाने की सलाह दी गई, ताकि बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़े और परिणाम बेहतर हों। विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। विद्यालय प्रबंधन को उपस्थिति में सुधार, समय पर शिक्षण, नियमित मूल्यांकन और सकारात्मक सीखने का वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर मजबूत शैक्षणिक नींव विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देती है, इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिक्षकों को बच्चों में सीखने की उत्सुकता बढ़ाने के लिए रचनात्मक गतिविधियां और अतिरिक्त शिक्षण कराने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर की साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए गए।

पेज 11 के शेष...

66 बिस्तर पर...

लेकिन जमीनी स्तर पर आदिवासी बच्चों को मूलभूत सुविधाएं तक नसीब नहीं हो रही हैं। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के साथ अन्याय है। दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी।

11 लाख का आंबा...

शिक्षा और अन्य गतिविधियां सुचारू रूप से मिल सकें, इसके लिए अलग भवन की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। **ठेकेदार को 80 प्रतिशत तक राशि का भुगतान-** ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि विभाग द्वारा ठेकेदार को लगभग 70 से 80 प्रतिशत तक राशि का भुगतान कर दिया गया है। यदि भुगतान हो चुका है तो फिर निर्माण कार्य आगे क्यों नहीं बढ़ रहा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी उंगली उठाई है और योजना के क्रियान्वयन की गंभीरता पर संदेह पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री की मंशा दूरस्थ क्षेत्रों के विकास की है, लेकिन स्थानीय स्तर पर लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। यदि समय रहते काम शुरू नहीं हुआ तो बच्चों का भविष्य और प्रभावित होगा। इस संबंध में सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग लोकेश पटेल से फोन पर संपर्क कर जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी क्योंकि फोन रिसीव नहीं किया गया।

फुलझर में ...

मानस मंडलियाँ श्रीराम के भजन और कीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगी। अपने परंपरागत और प्रभावशाली शैली के लिए जाने जाते हैं, जो श्रद्धा और उत्साह का संचार करेगें पहले दिन शुक्रवार को जय सीता राम मानस मंडली बारूला, महिला मानस परिवार सरागांव और भैसमुड़ी मगरलोड ने अपनी मधुर आवाज़ों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया जायेगा। दूसरे दिन शनिवार को गौरी नंदन बालिका मानस परिवार कौन्दकेरा, सिद्धिविनायक हवेली मानस परिवार नावाडीह बागबाहरा, लावन्या निधि बालिका मानस परिवार जमाही जिसकी प्रस्तुति अपने ओजस्वी और भावपूर्ण पाठ के लिए प्रसिद्ध, जो श्रोताओं को तत्काल भक्ति में डुबो देती है। बालिकाओं की मधुर, कोमल आवाज़ों में मानस की भजन चौपाइयाँ, जो हृदय को छू लेने वाली हैं। मानस परिवार चरौदा पतोरी अपनी प्रस्तुतियाँ देंगी। तीसरे दिन रविवार को गोंदा के फूल मानस परिवार फुलझर, राधवेन्द्र मानस परिवार चरौदा और सरस्वती महिला मानस परिवार कोकड़ी (धमतरी) द्वारा भक्ति गीतों की धुनें गूंजेंगी।महिलाओं द्वारा प्रस्तुत मानस पाठ, जो श्रद्धा, लय और भाव के अनूठे समन्वय से श्रोताओं को बाँधे रखती है। इस आयोजन की तैयारी में ग्रामवासियों के साथ-साथ रामायण मंडली से जुड़े सदस्यों का विशेष सहयोग मिल रहा है। प्रतिवर्ष होने वाले इस सम्मेलन में क्षेत्र भर के मानस प्रेमी और धर्मानुरागी शामिल होते हैं। साथ ही, श्रद्धालुओं के लिए भोजन और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। यह आयोजन न केवल धार्मिक एकता का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूती प्रदान करता है। ग्राम फुलझर में इन तीन दिनों तक रामनाम की गूंज से वातावरण पवित्र और आनंदमय बना रहेगा।

राजिम कुंभ में...

के अन्य अद्भुत नजारों को साक्षात देख पाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पी एम श्री सेजेस बसना (महासमुंद) तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालोद से लाए गए उच्च क्षमता वाले अत्याधुनिक टेलीस्कोप होंगे। कार्यक्रम की संयोजिका मीनाक्षी शर्मा जिला नोडल अटल टिंकरिंग लैब ने चर्चा के दौरान बताया कि नक्षत्रों की कहानियों से जुड़ेगा विज्ञान और अध्यात्म एवं आयोजन की एक और विशेषता नक्षत्र कथा भी होगी जिसमें केवल वैज्ञानिक तथ्य ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और नक्षत्रों से जुड़ी रोचक सवाल जवाब भी होंगे जिससे जनमानस को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे हमारे पूर्वजों ने प्राचीन काल से ही सितारों और नक्षत्रों का सूक्ष्म अध्ययन किया था। साथ ही अंतरिक्ष विशेषज्ञों का मिलेगा मार्गदर्शन जिसके लिए विशेष रूप से खगोल विज्ञान के विशेषज्ञ और भौतिकी के व्याख्याता बी एन योगी ए टी एल प्रभारी एवं अजय कुमार भोई प्रभारी, एस्ट्रोनॉमी लैब, बसना महासमुन्द उपस्थित रहकर आकाश दर्शन में शामिल होने वाले जन-समुदाय को अंतरिक्ष की बारीकियों से अवगत कराएंगे।

खबर संक्षेप

शिक्षिका कुरैशी को प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति के साथ मिली भावभीनी विदाई

छुरा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बोडराबंधा ब विकासखंड छुरा में कार्यरत शिक्षिका जे एफ कुरैशी को विद्यालय परिवार की तरफ से प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति होने पर विदाई समारोह बड़े ही आकर्षक ढंग से मनाया गया कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच भोज कुमारी नागेश, पंच याद बाई पटेल, पंजवानी पिपरहट्टा, माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक एम आर टंडन, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक केश कुमार साहू, प्रेमलाल साहू, ध्रुव मैडम, युवराज पटेल प्रधान पाठक परसदा खुर्द, ग्राम के गणमान्य नागरिक गण व छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। कुरैशी मैडम ने अनुशासन और समय पर विचारव्यक्त किये लगभग 16 वर्ष इस विद्यालय में अनवरत रूप से सेवाएं दी, जो बहुत ही उपलब्धि भरा रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय में कार्यरत शिक्षक तिजउ राम साहू ने किया।

जिपं सभापति शिवांगी चतुर्वेदी बनीं भाजपा जिला प्रवक्ता

पाण्डुका। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, संगठन महामंत्री पवन साय, संभाग प्रभारी अखिलेश सोनी, जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी तथा जिला अध्यक्ष अनिल

चन्द्राकर के सहमति से भारतीय जनता पार्टी गरियाबंद का कार्यसमिति की घोषणा की गई। उक्त घोषणा में जिला पंचायत गरियाबंद के सभापति शिवांगी चतुर्वेदी को भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता का दायित्व दिया गया। शिवांगी चतुर्वेदी को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया। तथा चतुर्वेदी ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि वे पार्टी का कार्य ईमानदारी और समर्पण से करते रहेंगे तथा उन्होंने विश्वास जताया कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे। एवं उनके बनने पर क्षेत्र सहित जिले में हर्ष का माहौल है। तथा शुभचिंतकों व कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

स्निग्धा बनी भाजपा महिला मोर्चा की जिला कोषाध्यक्ष

राजिम। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला गरियाबंद के कोषाध्यक्ष की कमान अब पांडुका की सक्रिय वरिष्ठ भाजपा नेत्री स्निग्धा शर्मा को सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें जिला कोषाध्यक्ष, नियुक्त किए जाने की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह की

लहर दौड़ गई। जिला मुख्यालय से लेकर राजिम एवं बिंद्रानवागढ़ दोनो विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के बीच गजब का उत्साह रहा। बता दें कि स्निग्धा शर्मा एक लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं। महिला सशक्तिकरण, बूथ स्तर पर संगठन विस्तार और सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए पार्टी ने कोषाध्यक्ष, बनाकर उन पर भरोसा जताया है। राजनीतिक गलियारों में उनकी नियुक्ति को संगठन में नई ऊर्जा और सक्रियता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के कर्मठ नेत्री स्निग्धा शर्मा ने कहा कि वे सदैव पार्टी के प्रति समर्पित भावना से कार्य करती आई हैं और संगठन ने उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जवाबदारी भी है। मालूम हो कि 2006 से लेकर आज तक भाजपा के संगठन में सदस्य से लेकर -बुथ अध्यक्ष, शक्तिकेंद्र संयोजक, मण्डल मंत्री, मंडल उपाध्यक्ष ,व छुरा ब्लॉक के बड़े ग्रामपंचायत पांडुका में उपसरपंच पद पर अपनी सशक्त एवं सक्रिय भागीदारी निभाई है ।

समस्या : भालू छुईहा, फुलझर, धुरसा, मुरमुरा और कसेरुडिही की गलियों में भी खुलेआम घूम रहा

भालू का तांडव, किराना दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा, तस्वीर सीसीटीवी में कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जमाही और आसपास के इलाकों में इन दिनों एक जंगली भालू ने दहशत फैला रखी है। रिहायशी इलाकों में भालू के लगातार प्रवेश और हमलों से ग्रामीण रात-दिन खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात वन विभाग का रवैया है, जो इस गंभीर खतरे को नजरअंदाज कर रहा है। जमाही निवासी होरी लाल सिन्हा के किराना दुकान सह निवास में 3 फरवरी की रात लगभग 1 बजे भालू दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गया। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भालू की यह करतूत कैद हुई है। आहट पाकर जब परिजनों की नींद खुली, तो उन्होंने टीवी स्क्रीन पर भालू को दुकान के भीतर सामान बिखेरते देखा। परिवार ने सूझबूझ दिखाते हुए पड़ोसियों को फोन किया, जिसके बाद मोहल्लेवासियों के शोर मचाने पर भालू वहां से भाग निकला। भालू केवल जमाही ही नहीं, बल्कि छुईहा, फुलझर, धुरसा, मुरमुरा और कसेरुडिही जैसे गांवों की गलियों में भी खुलेआम घूम रहा है। वह घरों के कमजोर हिस्सों को तोड़कर अंदर घुस रहा है और तेल, शक्कर, गुड़ जैसे खाद्य पदार्थों को खाकर भारी नुकसान पहुँचा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि इस आर्थिक क्षति की भरपाई कौन करेगा?

भालू कुछ नहीं बिगाड़ेगा

पीड़ति परिवारों का आरोप है कि वन विभाग इस मामले में पूरी तरह उदासीन है। ग्रामीणों के अनुसार, जब उन्होंने शिकायत की तो वनपाल अनिल राव ने कथित तौर पर बेहद गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हुए कहा कि भालू तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ेगा, उसने कोई नुकसान नहीं किया है। विभाग की यह मानसिकता किसी बड़ी अनहोनी को न्योता दे रही है।

खाद्य सामाग्री को बिखेरकर किया नुकसान

जमाही निवासी होरी लाल सिन्हा के किराना दुकान सह निवास में 3 फरवरी को रात्रि लगभग 1 बजे भालु दरवाजा तोड़ कर अन्दर घुस गया। जिसका घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में विभिन्न एंग्ल से विडियो रिकॉर्डिंग है। आवाज सुन कर घर में सो रहे का निंद टुटी तो कमरे के टीव्ही स्क्रीन देखा तो भालु दुकान में घुसा है। घरवालों ने सुझबुझ से फोन कर पड़ोसी को सुचना कर सुरक्षा सहयोग मांगा। मोहल्ला वासियों की सहयोग से सुरक्षित रहे। इधर भालु मौके से गली होते बाहर हो गए। तब से इस घर वाले भय की छाया में है। यहां अन्य घरों के अलावा छुईहा, फुलझर, धुरसा, मुरमुरा, कसेरुडिही इत्यादि आसपास गांव के गली में विचरण करते देखा गया है। भालू मौका पाते ही घर का कील उठाकर, तोड़कर या कमजोर हिस्सा को तोड़ कर अन्दर प्रवेश हो रहा है। तेल, शक्कर,गुड़ खाद्य सामाग्री को खाने के बाद ज्यादा बिखर कर नुकसान कर रहा है। वहीं ऐसे पिड़ित परिवार ने अपनी जान और माल की सुरक्षा को लेकर वन विभाग से गुहार लगाई है, लेकिन विभाग की प्रतिक्रिया निराशाजनक और उदासीन है। शिकायत को अनसुना या आवेदन को लेना जरूरी नहीं समझ रहे हैं। वन अधिकारी ने कहा की इस संबंध में विस्तृत जानकारी वन परिक्षेत्र अधिकारी फिंगेंश्वर बद्रीनाथ ध्रुव दीया गया तो कहा किसी कर्मचारी ने यह जानकारी नहीं दी है।ऐसा तो रात्रि सर्चिंग गस्त की व्यवस्था नागरिक सुरक्षा के लिए कीया जायेगा।

मतदाताओं के नाम काटने की साजिश कांग्रेस ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म 7 के संभावित दुरुपयोग की निगरानी एवं रोकथाम बाबत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर छुरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा फॉर्म 7 के दुरुपयोग संबंध में जानकारी ली गई,जिसमें पाया गया कि पात्र मतदाता को विलोपित करने विपक्षी दल के अलग अलग व्यक्तियों द्वारा दी गई है,जो खासकर विशेष समुदाय को लक्ष्य बनाया गया है, जिनके नाम विलोपित करने दिया गया है, वे सभी पात्र मतदाता है,वर्तमान में छुरा नगर में ही निवासरत है, और ये सभी नाम जुड़वाने एसआईआर फॉर्म भर चुके है,इस संबंध में छुरा तहसीलदार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म 7 के दुरुपयोग करने वाले पर सख्त कार्यवाही की मांग की है,यह लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं आम मतदाताओं के अधिकार पर सीधा प्रहार है, मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित किए जाने के षडयंत्र का प्रयास किया जा रहा है,ज्ञापन संबंध में तहसीलदार ने जानकारी दी कि जो भी फॉर्म 7 भरे है (नाम विलोपित करने)उस मतदाता की वास्तविक जानकारी लेने के बाद ही कारवाही की जावेगी। ज्ञापन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि यशपेंद्र शाह,नगर पंचायत उपाध्यक्ष अब्दुल शमीम खान, रंजीत ठाकुर, पार्षद हरीश यादव, सलीम मेमन, पंचराम टंडन, देवसिंह नेताम, शांतनु देवांगन, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव आकाश दीक्षित उपस्थित थे। पार्षद सलीम मेमन ने कहा कि पूरे देश में यही स्थिति है, जानबूझकर मतदाताओं के नाम विलोपित करने आवेदन दिया जा रहा है, एस आई आर से सामान्य मतदाता काफी परेशान है पिछले 2 माह से सभी अधिकारी कर्मचारी इसी काम में लगे हैं और नगर पंचायत का काम पूरी तरह डप्प पड़ा है।

शराबबंदी के आदेश हवा-हवाई खुलेआम छलक रहे जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक धार्मिक आस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर गरियाबंद ने राजिम नवापारा एवं मगरलोड क्षेत्र में पूर्ण शराबबंदी की घोषणा की है। प्रशासनिक आदेश के तहत इस अवधि में शराब की बिक्री और सेवन पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। मीना बाजार और राजिम चौबेबांधा मार्ग पर देर शाम से ही शराब के नशे में धुत लोगों की मौजूदगी आम हो चली है। धार्मिक मेले और सांस्कृतिक आयोजनों के बीच नशे में लड़खड़ाते लोग न सिर्फ व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि श्रद्धालुओं और परिवारों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक आदेश कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। यदि शराब की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है तो फिर इतनी बड़ी संख्या में लोग नशे में कैसे दिखाई दे रहे हैं? क्या अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है, या फिर बाहरी क्षेत्रों से आपूर्ति हो रही है? इन सवालों का जवाब फिलहाल प्रशासन के पास नहीं दिख रहा। मेले में आए श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के साथ पहुंचे परिवारों ने असहज माहौल पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि धार्मिक पर्व के दौरान इस तरह का दृश्य मेले की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। कुछ स्थानों पर हल्की झड़प और विवाद की भी खबरें सामने आई हैं, हालांकि पुलिस ने किसी भी प्रकार से रिपोर्ट होने की बात से इंकार किया है। जानकारों का मानना है कि शराबबंदी की घोषणा के साथ यदि सघन निगरानी, गश्त और कार्रवाई नहीं होगी तो ऐसे आदेशों का असर कमजोर पड़ जाता है। मीना बाजार और प्रमुख मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी तो दिखती है, परंतु नशे में घूम रहे लोगों की संख्या यह संकेत दे रही है कि कहीं न कहीं व्यवस्था में ढील है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन केवल औपचारिक आदेश जारी कर संतुष्ट है, या फिर जमीनी स्तर पर सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगा? धार्मिक आस्था और सामाजिक मर्यादा के इस समय में यदि शराबबंदी प्रभावी नहीं रही तो यह न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि प्रशासनिक विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाएगा। महाशिवरात्रि पर्व दो दिन बाद होने जा रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि प्रशासन अवैध बिक्री के स्रोतों पर तत्काल अंकुश लगाए, संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी करे और सार्वजनिक स्थानों पर नशे में पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि मेला अपनी पवित्रता और गरिमा के अनुरूप संचालित हो सके।

पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा 19 से 23 फरवरी तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

ग्राम मानिकचौरी में 19 फरवरी से 23 फरवरी तक पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का वातावरण है। आयोजन समिति द्वारा कथा स्थल की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। आयोजकों के अनुसार प्रतिदिन निर्धारित समय पर वेद मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चन एवं श्री शिव महापुराण की दिव्य कथा का वाचन होगा। कथा के माध्यम से भगवान शिव की महिमा, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के संदेशों का प्रसार किया जाएगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। कथा स्थल पर मंच सज्जा, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की जा रही है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की है। समापन दिवस पर विशेष पूजा-अर्चना एवं भंडारा आयोजित किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रवासियों की सहभागिता रहेगी। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से गांव में आध्यात्मिक वातावरण

सुदृढ़ होता है और सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा मिलता है। श्री शिव महापुराण कथा के माध्यम से शिवभक्ति का संदेश घर-घर तक पहुंचेगा और युवा पीढ़ी को धर्म एवं संस्कारों से जोड़ने का अवसर मिलेगा। ग्राम मानिकचौरी में होने जा रहा यह आयोजन क्षेत्र के लिए आस्था, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का महत्वपूर्ण पर्व माना जा रहा है। आयोजक राधिका-रमेश साहू,गोमती-बलराम साहू, प्रिया-नरसिंह साहू, हेमलता-अवध साहू,साधना-हलधर साहू ने बताया कि आयोजन के शुभारंभ अवसर पर 19 फरवरी को भव्य कलश यात्रा निकलेगी। 20 को नारद मोह शिवचरित्र, 21 को शिव पार्वती महोत्सव, 22 को स्वामी कार्तिकेय, गणेश जन्म शिवजी की विविध लीला और 23 फरवरी सोमवार को शिव कथा सार तथा यज्ञपूर्ण आहुति होगा। बताया गया है कि श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन पूज्य माता मानबाई साहू के पुण्यस्मृति में रखा गया है। कथावाचक श्री धाम वृंदावन के राष्ट्रीय कथावाचक पं कृष्णचंद्र दुबे जी है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पं.दीनदयाल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

फिंगेश्वर। ग्राम पंचायत रोबा में भाजपा मंडल फिंगेश्वर के द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदया उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भाजपा फिंगेश्वर मंडल अध्यक्ष मंजूलता हरित, वरिष्ठ नेता रामूराम साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष ईश्वर लाल साहू, महामंत्री भुवन साहू, प्रेमलाल टोडर, संतराम साहू,जगदेव सिन्हा, भागवत सिन्हा, सरपंच हितेश्वरी प्रदीप साहू, गोपाल साहू, मंगल साहू, चिंता राम साहू, लालाराम पटेल, बसन्त साहू, प्यारे लाल साहू, शीतल साहू, रमेश साहू, महेश साहू, टीकम साहू, हीरामन साहू सहित कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

आजादी की पहली खबर से मन की बात तक आज भी कम नहीं हुआ है रेडियो का जादू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

एक दौर ऐसा भी था जब रेडियो न सिर्फ मनोरंजन व देश दुनिया की जानकारी का प्रमुख साधन हुआ करता था और तब जिनके पास रेडियो होते थे उनके लिए शान की बात होती थी। क्षेत्र के लोगो को देश की आजादी की पहली सूचना रेडियो के माध्यम से ही मिली थी। वि"वभर में 13 फरवरी को रेडियो दिवस के रूप में मनाया जाता है। एक युग का प्रतीक और आज की पीढ़ी का बदलता रुझान रेडियो एक ऐसा माध्यम है जिसने सूचनाओं, मनोरंजन और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 20वीं सदी में यह न केवल सूचना का

विश्व रेडियो दिवस पर विशेष

प्रमुख स्त्रोत था बल्कि जनसंचार का एक सशक्त माध्यम भी था। हालाँकि आज की डिजिटल पीढ़ी इसके आकर्षण से दूर होती जा रही है। जानकारी के अनुसार भारत में रेडियो का इतिहास 1920 के दशक से जुड़ा हुआ है। वर्ष 1923 में बम्बे और मद्रास में पहली बार रेडियो प्रसारण की शुरुआत हुई थी। वहीं 1930 में इंडियन ब्राडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई लेकिन यह आर्थिक कारणों से बंद हो गई। इसके बाद 1936 में ऑल इंडिया रेडियो आकाशवाणी अस्तत्वि में आया जिसने पूरे देश में रेडियो प्रसारण को व्यवस्थित किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रेडियो का उपयोग लोगों को जागरूक करने और संदेश पहुंचाने के लिए किया गया। वर्ष 1957 में विविध भारती सेवा शुरू हुई जिसने रेडियो को मनोरंजन का बड़ा केंद्र बना दिया। वर्ष 1977 में एफएम रेडियो का परीक्षण हुआ लेकिन 1990 के दशक के बाद यह लोकप्रिय हुआ। 2000 के दशक में निजी एफएम चौनलों की शुरुआत के साथ रेडियो का नया दौर आ गया।

कविता की सुरमयी प्रस्तुति देर रात तक झूमते रहे दर्शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम कुंभ कल्प के 11वें दिन लोककला मंच पर रिंकू एवं आस्था भट्ट की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम की शुरूआत भक्तिमय गीत शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गाए से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी गीत मै होगेव दिवानी रे, तैं का मोहनी खवाय रे, बही बना दिए रे बुंदेला पगली बना दिए ना, देख के संगी मोला का हो जाथे रे जैसे गीतों से मनोरंजन का तड़का लगाया। 1965 की पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म कहीं देबे संदेश के अमर गीत सुन-सुन मोर मया पीरा के संगवारी रे की प्रस्तुति ने पुरानी यादें ताजा कर दीं। दर्शकों को ऐसा आभास हुआ मानो आकाशवाणी रायपुर से यह गीत प्रसारित हो रहा हो। मंच पर अंतिम प्रस्तुति के रूप में छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध रेडियो एवं छत्तीसगढ़ी गायिका कविता वासनिक ने अपनी सुरमयी आवाज से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल देर रात तक तालियों से गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने देवी गीत नवदुर्गा ते कहाय वो से की। गीत की प्रस्तुति देख दर्शक उत्साह से भर उठे। कविता वासनिक ने गीतों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की प्राचीन नाचा विधा का भी सजीव परिचय कराया। इससे युवा पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं की गहराई और गौरव का एहसास हुआ। इसके बाद अनुराग धारा के कलाकारों ने मोला दिखाय दे न भोला गीत की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं।

- लोककला मंच पर कविता वासनिक और आस्था भट्ट की सुरमयी तान

ददरिया बिन पानी के मछरी ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

ददरिया बिन पानी के मछरी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं मनभावन हरेली तिहार आ गे गीत के माध्यम से फुगड़ी, खो-खो और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों की झलक दिखाकर दर्शकों को बचपन की यादों में लौटा दिया। लक्ष्मण मस्तुरिया की अमर रचना बखरी के तुमा नार बरोबर मन झूमे गूंजते ही पुरानी यादें ताजा हो उठीं। आदिवासी गीत महुआ झरे रे पर मंच के बाहर भी लोग थिरकते नजर आए। चौरा म गोंदा और पता ले जा रे गाड़ी वाला जैसे गीतों ने माहौल को चरम पर पहुंचा दिया। कार्यक्रम के अंत में कलाकारों का सम्मान एसडीएम, तहसीलदार व जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। मंच संचालन निरंजन साहू, मनोज सेन, दुर्गेश तिवारी एवं किशोर निर्मलकर ने किया।

एम मनु पब्लिक स्कूल देवभोग में वार्षिक उत्सव की धूम, विज्ञान प्रदर्शनी ने मोह लिया मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

शिक्षा, संस्कृति और विज्ञान का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब एम. मनु पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल, देवभोग में 6वां वार्षिक उत्सव एवं भव्य विज्ञान प्रदर्शनी अत्यंत गरिमामय, सुव्यवस्थित और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। सजे-धजे परिसर, आकर्षक मंच सज्जा और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास से पूरा वातावरण ऊर्जा और उल्लास से भर उठा। यह आयोजन देवभोग क्षेत्र में लंबे समय तक याद किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष गरियाबंद गौरीशंकर कश्यप उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में राजेश तिवारी अध्यक्ष, नगर पंचायत देवभोग, सुशील यादव उपाध्यक्ष, नगर पंचायत, सुधीर अग्रवाल उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत देवभोग, मोहना नेताम (जनपद अध्यक्ष, मैनपुर, अनुतोष अवस्थी पार्षद, देवनाथ बघेल बीईओ, देवभोग, विनोद पांडे (पार्षद), सूर्या सिंदूर पार्षद, लैबानों सोना अध्यक्ष, शाला विकास समिति, भगवानों बेहरा, योगेश मिश्रा, दुष्यंत पात्र, अरुण मिश्रा, रंजन यादव, प्रमेश अवस्थी, लता माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और विद्यालय की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

आईआईएसईआर पुणे में मिला व्याख्याताओं को छात्र-केंद्रित पेडागॉजी का प्रशिक्षण

मैनपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला में जिले के पांच शिक्षक शामिल हुए। प्रशिक्षण में शामिल हुई व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य प्राथमिक से उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के शिक्षकों को आधुनिक विज्ञान एवं गणित शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना था। तीन संभागों के हर जिले के प्रत्येक विकासखंड से एक व्याख्याता का चयन किया गया। जिले के फिंगेश्वर ब्लॉक से समीक्षा गायकवाड़, शास रामबिशाल पाण्डेय उत्कृष्ट अंग्रेजी वि. राजिम, मैनपुर से अभय राम कश्यप, शास उ.मा.वि.झारगाँव, गरियाबंद से राखी पटेल, शास उ.मा.वि. नागाबुड़ा, देवभोग से पुष्पक सिंह चौधरी, शास उ.मा.वि. बाड़ीगाँव, फिंगेश्वर से मिनाक्षी शर्मा, शास उ.मा.वि. कौन्दकेरा व्याख्याताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को संस्थान के साइंस सेंटर, प्रयोगशालाओं का अवलोकन कराया गया। वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धांतों को सरल, रोचक और कम लागत वाले व्यवहारिक प्रयोगों की जानकारी दी गई, जिससे प्रभावी शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण की समझ विकसित हुई। तारामंडल भ्रमण और खगोलीय पिंडों के अवलोकन ने अनुभव को और समृद्ध किया।वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद से शिक्षकों को अनुसंधान आधारित सोच विकसित करने का अवसर मिला।

मैनपुर तुहामेटा में 3 करोड़ से अधिक की लागत सेएनीकट का निर्माण किया जायेगाः मुरलीधर

मैनपुर। गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड के तुहामेटा में लंबे समय से किसानो के द्वारा सिंचाई के लिए एनीकट का निर्माण की मांग किया जा रहा था किसानो की इस मांग और पीड़ा को छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार ने पूरा किया है और करोड़ो रूपये राशि स्वीकृत किया है। उक्त बाते भाजपा सहकारिता छत्तीसगढ़ के सहसंयोजक मुरलीधर सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताई है।

श्री सिन्हा ने कहा यह खुशी की बात है कि राज्य सरकार ने मैनपुर के ग्राम तुहामेटा एनीकट निर्माण कार्य के लिए 356.36 लाख (तीन करोड़ छप्पन लाख छत्तीस हजार रूपए) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के सहसंयोजक मुरलीधर सिन्हा ने बताया कि जल्द ही निर्माण कार्य जलसंधान विभाग गरियाबंद निर्माण कार्य प्रारम्भ करेंगे । भाजपा वरिष्ठ नेता मुरलीधर सिन्हा कहा है कि प्रस्तावित एनीकट निर्माण से क्षेत्र में भू जल संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा और कृषकों द्वारा लगभग 55 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित की जायेगी। उक्त परियोजना को वित्त एवं योजना विभाग की समिति द्वारा अनुशंसित किए जाने के पश्चात मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ सरकार विष्णुदेव साय एवं विभागीय मंत्री जलसंधान विभाग आदरणीय केदार कश्यप द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति का अनुमोदन प्रदान किया गया । यह परियोजना की स्वीकृति पर प्रदेश सहसंयोजक भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ मुरलीधर सिन्हा ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जलसंसाधन मंत्री केदार कश्यप को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

डोकरपाली में पांच दिवसीय मानस गान

अरंड (पिथौरा)। ग्राम डोकरपाली में महाशिवरात्रि पर पांच दिवसी संगीतमय मानस गान का आयोजन रखा गया है। 12 से 16 फरवरी तक चलेगा। रामचरितमानस संरक्षक हीरा सिंह दीवान, विजय देवांगन, दिनेश देवांगन, जीराखन साहू, केशव राम आदि जुटे हुए है।

विडंबना : पार्किंग से मुख्य मार्ग तक तेज रफ्तार वाहनों और हुड़दंगियों के कारण पैदल चलना दूभर

राजिम मेला, दिन में आस्था का संगम, रात ढलते ही पसरने लगता है असुरक्षा का साया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक पंद्रह दिनों चलने वाला राजिम मेला अपने भीतर कई रंग समेटे हुए है। दिन के उजाले में यह मेला आस्था, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रतीक नजर आता है। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, सामाजिक संस्थाएं निःशुल्क भोजन और सेवा कार्यों में जुटी रहती हैं, सांस्कृतिक मंच पर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां दर्शकों को बांधे रखती हैं। परिवार बच्चों के साथ मीना बाजार में घूमते दिखाई देते हैं। लेकिन जैसे ही शाम ढलती है, मेले की तस्वीर बदलने लगती है।

रात का दूसरा चेहरा अलग ही नजर आता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम होते ही मेले के कुछ हिस्सों-विशेषकर मीना बाजार और पार्किंग स्थल से लगे हुए सड़क पे नशे में धुत युवकों के समूह सक्रिय हो जाते हैं। खुलेआम हुड़दंग, अभद्र व्यवहार और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही से माहौल असुरक्षित महसूस होने लगता है। लोगों का कहना है कि दिन में परिवार के साथ घूमने में कोई दिक्कत नहीं, लेकिन रात में स्थिति चिंताजनक हो जाती है। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि आधे से ज्यादा लोग नशे की हालत में नजर आते हैं, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता

बता दें कि राजिम -नवापारा और आसपास के क्षेत्रों में शराबबंदी लागू होने की बात कही जाती है, लेकिन मेले के दौरान जिस तरह नशे की हालत में लोग दिख रहे हैं, उसने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर शराब या अन्य नशीले पदार्थ मेले परिसर तक कैसे पहुंच रहे हैं? यह प्रश्न अब आम चर्चा का विषय बन गया है। महिलाओं की सुरक्षा चिंता का विषय परिवारों और खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। भीड़भाड़ और अव्यवस्थित माहौल में बहन-बेटियों के प्रति अभद्र व्यवहार की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई, तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। मेले के आसपास पार्किंग और मुख्य मार्गों पर वाहनों की रेलमपेल है। कई वाहन तेज गति से निकलते दिखाई देते हैं। यदि भीड़ के बीच किसी वाहन का संतुलन बिगड़ा तो बड़ा हादसा हो सकता है। ट्रैफिक प्रबंधन और स्पीड कंट्रोल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। हालांकि पुलिस बल तैनात है, लेकिन मीना बाजार पहुंचने वाले सड़क मार्ग पर भीड़ के अनुपात में सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि गश्त और निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए, विशेषकर रात के समय। सीसीटीवी कैमरों की सक्रिय मॉनिटरिंग और संदिग्ध तत्वों पर तत्काल कार्रवाई जरूरी है। राजिम मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की आस्था और पहचान का प्रतीक है। ऐसे में जरूरी है कि इसकी सकारात्मक छवि बनी रहे। दिन की धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा पर रात की अराजकता हावी न हो-इसके लिए प्रशासन और पुलिस को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे।

सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी?

जनता की मांग स्पष्ट है कि रात में सघन पुलिस गश्त और नशे की जांच अभियान होना चाहिए। खासतौर से पार्किंग वाली सड़क और मीना बाजार क्षेत्र में विशेष सुरक्षा घेरा हो। इसके अलावा तेज रफ्तार वाहनों पर तत्काल चालानी कार्रवाई वहीं महिलाओं की सुरक्षा के लिए अलग हेल्प डेस्क और त्वरित सहायता व्यवस्था बहुत जरूरी है। राजिम मेले की पहचान उसकी आस्था और संस्कृति से है, न कि अराजकता से। यदि समय रहते व्यवस्था को दुरुस्त किया गया तो मेला अपने वास्तविक स्वरूप में चमकता रहेगा, अन्यथा रात का साया उसकी छवि पर प्रश्नचिह्न बन सकता है। राजिम मेला, जो कभी आस्था, संस्कृति और पारिवारिक उल्लास का प्रतीक माना जाता था, अब चिंता का कारण बनता जा रहा है। खासकर बहन-बेटियों में यह चर्चा तेज है कि मेला अब पहले जैसा सुरक्षित और सहज नहीं रह गया। परिवारों का कहना है कि शाम ढलते ही मेले का माहौल बदल जाता है। भीड़ में धक्का-मुक्की, नशे में धुत युवकों की मौजूदगी और कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से महिलाएं और युवतियां असहज महसूस करती हैं। कई अभिभावक अब बेटियों को लेकर रात में मेले में जाने से बच रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेला आनंद और आस्था का स्थल होना चाहिए, भय और असुरक्षा का नहीं। परंपरागत और धार्मिक परिवारों के लिए मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का हिस्सा रहा है।

निगरानी व्यवस्था बेहद जरूरी

मंदिरों में दर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता और पारिवारिक मेल-मिलाप-ये सब इसकी पहचान थे। लेकिन यदि सुरक्षा का भरोसा कमजोर पड़े, तो स्वाभाविक है कि परिवार दूरी बनाने लगेंगे। प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी है कि मेले का वातावरण सुरक्षित और अनुशासित रहे। रात में अतिरिक्त पुलिस बल और महिला सुरक्षा दल की तैनाती संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई नशाखोरी और हुड़दंग पर सख्त नियंत्रण परिवारों के लिए सुरक्षित जोन और स्पष्ट निगरानी व्यवस्था बेहद जरूरी है। राजिम मेला केवल भीड़ जुटाने का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा का उत्सव है। यदि बहन-बेटियां और परिवार खुद को असुरक्षित महसूस करें, तो यह किसी भी आयोजन के लिए गंभीर चेतावनी है। अब आवश्यकता है ठोस कदमों की, ताकि मेला फिर से उसी विश्वास, गरिमा और सुरक्षा का प्रतीक बन सके-जहां हर परिवार बिना भय के शामिल हो सके और आस्था का उत्सव पूरे सम्मान के साथ मनाया जा सके।

सीआरपीएफ ने मैनपुर में चलाया सिविक एक्शन प्रोग्राम, ग्रामीणों को बांटी सामग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 65वीं बटालियन द्वारा गुरूवार को मैनपुर विकासखण्ड के ग्राम छिंदोला स्थित डी/65 बीएन सीआरपीएफ कैंप में सिविक एक्शन कार्यक्रम का प्रभावशाली आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बटालियन कमांडेंट राधे श्याम सिंह के मार्गदर्शन में तथा उप कमांडेंट सुधेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत दवनई एवं आसपास के गांवों के लगभग 250 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कॉपी, पेन, पेंसिल बॉक्स, ज्योमेट्री बॉक्स जैसी शैक्षणिक सामग्री, युवाओं को क्रिकेट किट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन रैकेट, फुटबॉल सहित खेल सामग्री तथा ग्रामीण परिवारों को साड़ी, कंबल, मच्छरदानी, सोलर लैम्प, कृषि एवं दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की गई। उप कमांडेंट सुधेन्द्र सिंह ने ग्रामीणों को नक्सलियों की भ्रामक एवं विध्वंसक गतिविधियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया तथा उन्हें भयमुक्त एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि सीआरपीएफ क्षेत्र की शांति, सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिविक एक्शन कार्यक्रम केवल सहायता वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि सुरक्षा बल और स्थानीय जनता के बीच विश्वास, सहयोग और सकारात्मक संवाद की मजबूत कड़ी है। ऐसे प्रयास नक्सली प्रभाव को समाप्त करने तथा क्षेत्र में स्थायी शांति और कानून व्यवस्था स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट रामानन्द प्रसाद, निरीक्षक पीयूष कुमार सिंह, निरीक्षक हरेंद्र कुमार सिंह, सरपंच रश्मिला बाई सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

राजिम कुंभ, दावों में भव्यता, हकीकत में सन्नाटा व्यापारियों का टूटा भरोसा, प्रशासन पर उठे सवाल

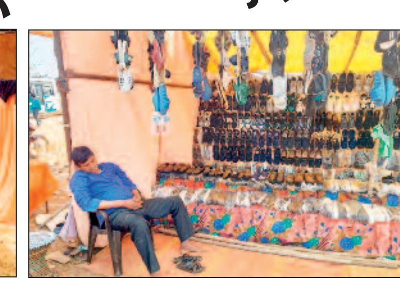

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

आस्था और परंपरा के नाम पर आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला इस बार सवालों के घेरे में है। दूर-दराज से उम्मीदें लेकर आए व्यापारियों का कहना है कि उनका कारोबार लगभग चौपट हो चुका है। मेला मैदान और मीना बाजार का दृश्य बताता है कि भीड़ का अनुमान और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। मीना बाजार के पास दुकान लगाए भोपाल से आए लोहे के औजार बेचने वाले व्यापारियों ने साफ शब्दों में कहा कि इस बार बिक्री बेहद निराशाजनक रही। उनका कहना है कि इतना खर्च कर यहां पहुंचे, लेकिन ग्राहक ही नहीं मिल रहे। यदि हालात ऐसे ही रहे तो भविष्य में इस मेले का रुख नहीं करेंगे। उनके मुताबिक, पूर्व वर्षों की तुलना में इस बार खरीदारों की संख्या बेहद कम है, जिससे रोजमर्रा का खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे मीना बाजार और आसपास के क्षेत्र का नजारा और भी निराशाजनक दिखा। कई दुकानों के पाल और परदे गिरे हुए थे। व्यापारी दुकानों के भीतर आराम करते दिखाई दिए - मानो ग्राहकों का इंतजार करते-करते थक चुके हों। यह दृश्य उस बड़े आयोजन के दावों पर सवाल खड़े करता है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बताया जा रहा था। स्थिति केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। मेला क्षेत्र में नदी के बीचों-बीच भीड़ का अभाव साफ नजर आया। बताया जा रहा है कि उस समय वहां दस लोग भी मौजूद नहीं थे। आस्था के इस केंद्र में ऐसा सन्नाटा असामान्य माना जा रहा है। इस बीच कुछेक श्रद्धालुओं के साथ भी दुर्व्यवहार की शिकायत सामने आई है। आरोप है कि इवेंट से जुड़े लोगों ने उन्हें दुपहिया गाड़ी खड़ी करने से मना करते हुए कहा कि यहां गाड़ी खड़ी मत कीजिए। इतना ही नहीं, मेले के चौतरफा जगह-जगह तैनात निजी गार्डों द्वारा आम लोगों के साथ सख्ती और कथित बदसलूकी की बातें भी सामने आ रही हैं। यदि ये आरोप सही हैं तो आयोजन की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परंपरागत मेले की आत्मा को इवेंट प्रबंधन ने दबा दिया है। व्यापारियों को पर्याप्त सुविधा, प्रचार और भीड़ प्रबंधन का संतुलन नहीं मिल पाया। परिणामस्वरूप दूर-दूर से आए छोटे कारोबारी आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। अब आवश्यकता है जिला प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से समीक्षा करे। व्यापारियों की समस्याओं, भीड़ प्रबंधन की वास्तविक स्थिति और सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार की जांच हो। यदि राजिम कुंभ को सच में आस्था और संस्कृति का केंद्र बनाना है, तो दिखावे से अधिक जमीनी सच्चाई पर ध्यान देना होगा। अन्यथा, यह भव्य आयोजन धीरे-धीरे व्यापारियों और श्रद्धालुओं के भरोसे से खाली होता नजर आएगा।

■ **दोपहर 2 बजे की तस्वीर, अधिकांश व्यवसायिको के पाल परदे गिरे हुए, तो कईयो की कुर्सी में ही नींद पड़ गई**

नए आंबा भवन का निरीक्षण, जल्द पूर्ण कर हैंडओवर करने के दिए निर्देश

बारूका आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ, बच्चों को बांटी चॉकलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

कलेक्टर बीएस उइके एवं जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने गुरुवार को ग्राम बारूका में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से जानकारी ली तथा बच्चों के साथ आत्मीयता से बातचीत की। कलेक्टर ने रेडी टू ईट खाद्य सामग्री, बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे गर्म भोजन और केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत के सीईओ श्री के एस नागेश, महिला एवं बाल विकास के अधिकारी श्री समीर सौरभ सहित सीडीपीओ आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक, कार्यकर्ता उपस्थित थे। कलेक्टर श्री उईके ने निरीक्षण के दौरान बच्चों से आंगनबाड़ी केंद्र में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान बच्चों को उनके नाम पूछकर उन्हें चॉकलेट भी प्रदान किया। उन्होंने बच्चों की सीखने की ललक और उत्साह देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए और भी बेहतर प्रयास करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अपने समक्ष बच्चों का वजन कराया

कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 9 से 18 फरवरी तक वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी बच्चों का वजन लेकर ऑनलाईन एंट्री करायें, इसमें कोई भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। साथ ही बच्चों का ऊंचाई की माप भी ली जा रही है। इसके अलावा सभी बच्चों को आंगनबाड़ी में आने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वयं अपने समक्ष बच्चों का वजन कराया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में कुपोषण मुक्ति और शिशु विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यहां बच्चों को पोषण के साथ शिक्षा और संस्कार की भी नींव मिलती है। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, समय पर टीकाकरण और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देने को कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों के लिए स्वच्छ वातावरण, खेलकूद सामग्री और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस अवसर पर ग्रामीणजन भी उपस्थित थे। इसके अलावा कलेक्टर एवं सीईओं ने बन रहे नए आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर शीघ्र फिनिशिंग कार्य करा कर, महिला एवं बाल विकास विभाग को हैण्डओवर करने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी केंन्द्र के सामने हिस्से को समतलीकरण कर पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में विद्यार्थियों को दवा खिलाई

अभनपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाए जा रहे फाइलेरिया (हाथी पांव) उन्मूलन सामूहिक दवा सेवन अभियान के अंतर्गत ग्राम भटगांव के शासकीय प्राथमिक शाला में विद्यार्थियों को दवा का सेवन कराया गया। प्रधान पाठक श्रीमती पुष्पा साहू की उपस्थिति में बच्चों को डीईसी (100 मि.ग्रा.), आईवरमेक्टिन एवं एलबेंडाजोल की निर्धारित मात्रा अनुसार दवा दी गई। 2 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 1 गोली, 6 से 14 वर्ष तक 2 गोली तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वालों को 3 गोली प्रदान की गई, जबकि आईवरमेक्टिन की खुराक ऊंचाई के अनुसार दी गई।